हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

थलीसैण उप जिला चिकित्सालय के .. 8

वर्ष : 14 अंक : 259 | देहरादून, बुधवार 14 मई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

उत्तराखंड का शानदार प्रदर्शन: छोटे राज्यों में वित्तीय प्रदर्शन में गोवा के बाद दूसरा स्थान

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड ने वित्तीय प्रबंधन और सुशासन के क्षेत्र में एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। देश की प्रतिष्ठित बिजनेस समाचार वेबसाइट फाइनेंशियल एक्सप्रेस की ताजा रैंकिंग के अनुसार, छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति के मामले में उत्तराखंड ने गोवा के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य के मजबूत वित्तीय अनुशासन, पारदर्शी प्रशासन और विकासोन्मुख नीतियों का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तराखंड ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने, स्वयं के कर राजस्व में वृद्धि, बकाया ऋण को संतुलित करने और सरकारी गारंटियों के प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में बेहतर निवेश ने भी राज्य की रैंकिंग को और मजबूती प्रदान की है।

सुशासन में भी उत्तराखंड अव्वल: वित्तीय प्रबंधन के साथ-साथ उत्तराखंड ने सुशासन के क्षेत्र में भी अपनी धाक जमाई है। राज्य में व्यावसायिक माहौल को बेहतर बनाने, न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज करने और डिजिटल ई-सेवाओं को सशक्त करने के प्रयासों ने उत्तराखंड को प्रशासनिक दक्षता में अग्रणी बनाया है। उत्तराखंड की यह सफलता नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार की दृढ़ता का उदाहरण पेश करती है। राज्य सरकार ने भविष्य में विकास की गति को और तेज करने का संकल्प लिया है, ताकि उत्तराखंड न केवल वित्तीय, बल्कि समग्र विकास के मामले में भी देश में शीर्ष पर पहुंचे। उत्तराखंड सरकार अब डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने पर विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड के लिए यह गर्व का क्षण है। छोटे राज्यों में वित्तीय प्रदर्शन में दूसरा स्थान हासिल करना हमारी सरकार की नीतियों, कड़ी मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। हमने वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता दी और शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं व न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। डबल इंजन सरकार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हम उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखंड को ऐसा राज्य बनाना है, जहां हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और अवसर उपलब्ध हों। यह उपलब्धि उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक और कदम है, जो विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।''

सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता निलंबित

रिश्वत लेते नाजिर रंगे हाथ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के खिलाफ धामी सरकार की कड़ी कार्रवाई जारी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

के निर्देश पर प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरूद्ध कार्यवाही निरन्तर गतिमान है, इसी कड़ी में मंगलवार को तहसील धनोल्टी, जनपद टिहरी में नाजिर के पद पर नियुक्त वीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा को 15,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून, में एक शिकायती पत्र दिया था कि, उसकी पत्नी द्वारा 31 जनवरी 2025 को ग्राम छनाड़, थत्यूड जौनपुर जिला टिहरी गढवाल में लगभग 1500 वर्ग मी0, भूमि क्रय की गयी है, जिसकी दाखिल खारिज पत्रावली में तहसील नाजिर बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, द्वारा जानबूझकर गलत आपत्ति रिपोर्ट लगायी जा रही है, एवं सही रिपोर्ट एवं दाखिल खारिज में नाम चढाने के एवज में रिश्वत की माँग की जा रही हैं। उक्त शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए दिनांक 13/05/2025 को अभियुक्त बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, हाल नाजिर तहसील धनोल्टी, जनपद टिहरी गढ़वाल को शिकायतकर्ता से 15,000/- रुपये (पन्द्रह हजार रुपये) की रिश्वत लेते हुये, तहसील धनोल्टी स्थित अभियुक्त के कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी उपरान्त सतर्कता अधिष्ठान देहरादून की टीम द्वारा अभियुक्त के आवास की तलाशी व अन्य स्थानों पर चल-अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

यदि कोई राज्य के सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी, अपने पदीय कार्य के सम्पादन में किसी प्रकार का दबाव बनाकर रिश्वत की मांग करता है तथा उसके द्वारा आय से अधिक अवैध सम्पत्ति अर्जित की गयी हो, तो इस सम्बन्ध में सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर-1064 एवं वाटसप हेल्पलाइन नम्बर 9456592300 पर सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में निर्भीक होकर सूचना दी जा सकती है।

दूसरी ओर, सिंचाई विभाग के तत्कालीन अधीक्षण अभियंता आर0के0 तिवारी को पंतदीप पार्किंग, हरिद्वार की नीलामी में हुए भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सी0बी0आई0 द्वारा की गई जांच और शासन को सौंपी गई अन्वेषण रिपोर्ट में उपलब्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। निलंबन के साथ ही उन्हें कार्यालय मुख्य अभियंता स्तर-2, अल्मोड़ा में सम्बद्ध किया गया है।

पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से मंगलवार को राजभवन में उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को अपने जीवन वृत्त पर आधारित पुस्तक 'पर्वत शिरोमणि भगत सिंह कोश्यारी' भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर श्री कोश्यारी ने जिस संघर्ष, समर्पण और निष्ठा से जनसेवा की वह सभी के लिए प्रेरणा है। राज्यपाल ने कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और जनसेवा से जुड़े प्रत्येक व्यक्तियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

सीएम ने वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर दुख व्यक्त किया

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार जनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की कामना की है।

सम्पादकीय

धामी ने खींची बड़ी लकीर

उत्तराखंड राज्य अपने भौगोलिक क्षेत्र के लिए देश दुनिया में जाना पहचाना जाता है उत्तराखंड में इस बार 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा की शुरुआत हुई थी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस बार चार धाम यात्रा को झंडी दिखाई थी उत्तराखंड के पहले मुख्यमंत्री का खिताब पुष्कर सिंह धामी ने अपने नाम कर लिया है 25 सालों में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन चुके हैं जिन्होंने चारों धामों में जाकर स्वयं यात्राओं का आगाज किया है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरे देश में उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री में शामिल है उत्तराखंड में जैसे-जैसे यात्रा का संचालन किया जा रहा है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह अधिकारियों के साथ धरातल पर जाकर ग्राउंड जीरो पर स्वयं फीडबैक ले रहे हैं उनकी इस कार्यशैली के उत्तराखंड के लोग कायल है पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड में विकास को गति देने लगे हुए हैं वह मान्य प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में लगे हुए हैं मान्य प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में उत्तराखंड के लोगों से कहा था यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा केंद्र सरकार से भी उत्तराखंड सरकार को तमाम तरह के बजट आवंटित किए जा रहे हैं ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके इस तरीके से उत्तराखंड के विकास में मान्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं अपने शब्दों पर मान्य प्रधानमंत्री का असर देखने को मिल रहा है उन्होंने कहा था आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक होगा और मान्य प्रधानमंत्री ने दो माह पहले शीतकालीन यात्रा को भी हरी झंडी दी थी ताकि उत्तराखंड के विकास को आर्थिक रूप में विकास के पंख लगा सके अब उत्तराखंड में यात्रा पूरे साल चलती रहेगी जिससे उत्तराखंड अपने विकास में नए-नए पायदान पर अपनी पकड़ बनाए रखेगा चार धाम यात्रा का आगाज माननीय मुख्यमंत्री ने बड़े ही निराले तरीके से किया है उन्होंने इस बार चार धाम यात्रा में आने वालों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की है और मुख्यमंत्री धामी अपने सनातन धर्म के लिए जाने जाते हैं चाहे कावड़ यात्रा हो चाहे कन्या पूजन हो और चाहे और भी कोई क्रियाकलाप हो मुख्यमंत्री का हमेशा सनातन धर्म को बढ़ावा देने का प्रयास सब ने देखा है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अभी हाल ही में उत्तराखंड के बॉर्डर जिलों में आर्मी के जवानों से मिले हैं और उन्होंने कहा है आप ही की बदौलत उत्तराखंड सुरक्षित है माननीय मुख्यमंत्री सैनिकों के बीच में जाकर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं जिससे सैनिकों में उत्तराखंड के साथ-साथ देश की रक्षा सुरक्षा करने का नया जज्बा पैदा हो गया है और सैनिक सरहदों की सुरक्षा के लिए सतर्क मोड पर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के विकास के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं उनके मेहनत रंग ला रही है जो आने वाले समय में जनता को विकास के रूप में देखने को मिलेगी

कोहली का टेस्ट संन्यास- क्रिकेट के सबसे महान अध्यायों में से एक

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारतीय क्रिकेट के महान इतिहास में विराट कोहली का नाम ऐसे चमकता है जैसे कोई सितारा। पिछले चौदह वर्षों में कोहली ने एक ऐसी धरोहर बनाई है, जो न केवल उनके अभूतपूर्व आंकड़ों के लिए बल्कि खेल के प्रति उनकी जुनून, तीव्रता और नेतृत्व क्षमता के लिए भी याद रखी जाएगी। जैसे ही वे टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते हैं, यह केवल एक खिलाड़ी का नहीं, बल्कि क्रिकेट के इतिहास का एक ऐसा अध्याय है जो आने वाली पीढ़ियों तक चर्चा का विषय रहेगा।

विराट कोहली, जिन्हें आधुनिक क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, ने 21वीं सदी में क्रिकेट खेलने का तरीका ही बदल दिया। उनके आक्रामक बल्लेबाजी, प्रेरणादायक नेतृत्व और खेल के प्रति निष्ठा ने क्रिकेट को एक नई दिशा दी। उनकी यात्रा केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों की नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट की वह प्रक्रिया है, जहां टीम की मानसिकता, दृष्टिकोण और दृष्टि उनके नेतृत्व में विकसित हुई।

संक्रमण के दौर में एक पथप्रदर्शक

जब विराट कोहली ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वे क्रिकेट की दुनिया में इतनी बड़ी छाप छोड़ेंगे। उस समय भारत क्रिकेट के एक संक्रमण काल से गुजर रहा था। दिग्गज खिलाड़ी जैसे सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण के संन्यास के बाद भारत को एक नए नेता की आवश्यकता थी, और कोहली ने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाया।

कोहली का क्रिकेट में प्रवेश आक्रामकता और सफलता की इच्छा से भरा था। पहले के खिलाड़ियों की तुलना में जो अधिक संयमित और नियंत्रित थे, कोहली का खेल तरीका एकदम अलग था। उन्होंने क्रिकेट के नियमों को तोड़ा और अपने आक्रामक खेल, फिटनेस के प्रति समर्पण और उत्कृष्टता की आकांक्षा से भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी। जल्दी ही भारतीय टीम फिटनेस और आक्रामकता के एक नए युग का प्रतीक बन गई और कोहली इस बदलाव के सिरमौर थे।

टेस्ट क्रिकेट में महारत

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड स्वयं में एक मिसाल है। 27 टेस्ट शतक के साथ, वे वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। भारत के लिए, वे सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 8,000 से अधिक टेस्ट रन और अद्वितीय औसत के साथ, उन्होंने क्रिकेट के इस सबसे कठिन प्रारूप में खुद को साबित किया है। लेकिन कोहली की महानता केवल उनके आंकड़ों में नहीं, बल्कि इस बात में भी है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को कैसे पुन: परिभाषित किया। उस दौर में जब तेज गेंदबाज और चुनौतीपूर्ण पिचें अक्सर प्रमुख रहती थीं, कोहली ने बिना किसी डर के अपने कौशल का परिचय दिया। चाहे इंग्लैंड की स्विंग करती पिचें हो या भारत की स्पिनिंग पिचें, कोहली ने हर चुनौती का सामना किया। उनकी यात्रा 2014 में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंची, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद खुद को और बेहतर बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपने खेल में लगातार सुधार किया और अब वे टेस्ट क्रिकेट के सबसे सशक्त बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। कोहली ने न केवल रन बनाए, बल्कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

नेतृत्व- मैदान पर और मैदान के बाहर एक क्रांति

कोहली का व्यक्तिगत प्रदर्शन भले ही अद्वितीय हो, लेकिन उनका नेतृत्व ही उनकी असली धरोहर है। 2017 में, कोहली ने भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली और महेन्द्र सिंह धोनी से यह जिम्मेदारी ली। कोहली के नेतृत्व में भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक मजबूत और सफल टीम के रूप में पहचान बनाई। उनकी कप्तानी में भारत ने ICC टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 का स्थान लंबे समय तक बरकरार रखा।

कोहली की कप्तानी में भारत ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीत हासिल की, जो भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई। उनकी कप्तानी में भारत ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया, चाहे वह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या वेस्ट इंडीज की धरती हो। उनका नेतृत्व न केवल रणनीतिक था, बल्कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम में व्यक्तिगत जिम्मेदारी और जवाबदेही का भी माहौल बनाया। कोहली का नेतृत्व भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक लेकर गया।

टेस्ट क्रिकेट- कोहली की कठोरता की पहचान

टेस्ट क्रिकेट का असली उद्देश्य धैर्य, तकनीक और मानसिकता की परीक्षा लेना है। यह एक खिलाड़ी की चरित्र की वास्तविक परीक्षा होती है। कोहली ने बार-बार यह साबित किया कि उनके पास टेस्ट क्रिकेट में सफल होने की सारी क्षमताएं हैं। उनका समर्पण इस प्रारूप के प्रति हमेशा स्पष्ट था। कुछ क्रिकेटर जहां टी20 लीग और वनडे क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं, वहीं कोहली ने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी। इस खेल में उनकी उपस्थिति यह सुनिश्चित करती थी कि भारत हमेशा एक मजबूत बल्लेबाज के साथ मैदान में उतरे।

कोहली के सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक उनकी कठिन परिस्थितियों में बनाए गए शतक हैं। 2014 में एडिलेड में उनका शतक एक बेहतरीन उदाहरण है, जहां उन्होंने भारतीय टीम की गिरावट के बीच अपनी अद्वितीय बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके शतक उनके टेस्ट क्रिकेट में अपार योगदान को दर्शाते हैं।

लेकिन यह सिर्फ रन बनाने की बात नहीं थी। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को खेलने के तरीके में भी बदलाव किया। उनका मानना था कि टेस्ट क्रिकेट को उत्साह और उद्देश्य के साथ खेलना चाहिए। उनका मानसिकता हमेशा यह थी कि टेस्ट क्रिकेट खेल का सबसे शुद्ध रूप है, और उनका लक्ष्य था कि वे इसमें जितना हो सके योगदान दें। यही कारण है कि जब वे अपने टेस्ट करियर से विदाई ले रहे हैं, तो यह उनके खेल के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा और सम्मान को दर्शाता है।

जब विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से विदा ले रहे हैं, तो इसे केवल उनके आंकड़ों में ही नहीं देखा जाना चाहिए। उनका वास्तविक प्रभाव भारतीय क्रिकेट की संस्कृति पर था। जब कोहली ने भारतीय टीम की कप्तानी संभाली, तो उन्होंने क्रिकेट के प्रति खिलाड़ियों के दृष्टिकोण में एक क्रांति ला दी। उनकी फिटनेस पर जोर, कड़ी मेहनत की प्रतिबद्धता और हर छोटी-से-छोटी बात पर ध्यान देने का तरीका यह दर्शाता है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट को एक नई दिशा दी। उनका प्रभाव भारतीय क्रिकेट की युवा पीढ़ी पर गहरा था, जो आज भी उनकी प्रतिबद्धता और आक्रामकता से प्रेरित होकर खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।

कोहली केवल एक क्रिकेटर नहीं हैं, बल्कि एक ब्रांड, एक आदर्श और खेल के प्रति एक मिशन के प्रतीक हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि केवल अच्छा क्रिकेट खेलने से ही सफलता नहीं मिलती, बल्कि आपको समर्पित, केंद्रित और महानता की ओर लगातार बढ़ते रहना पड़ता है। उनका मानसिक धैर्य और कार्य नैतिकता भविष्य की पीढ़ियों के लिए मानक बन गया है।

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना एक युग का अंत है। उनके योगदान, उनके नेतृत्व और उनके खेल के प्रति समर्पण को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

नामी दिव्यांग कल्याण संस्थाओं की खुली पोल, असहाय बालिकाओं को दाखिला देने से किया इनकार, डीएम सख्त

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । कल्याण के नाम पर पंजीकृत कई नामी संस्थाओं की चौंकाने वाली करतूत सामने आई है। इन संस्थाओं ने हाल ही में जिले की 20 दिव्यांग और असहाय बालिकाओं को अपने केंद्रों में दाखिला देने से साफ इनकार कर दिया। यह मामला तब प्रकाश में आया जब इन जरूरतमंद बच्चियों को आश्रय की सख्त आवश्यकता थी।

इस घटना से जिलाधिकारी सविन बंसल बेहद नाराज दिखे। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के कल्याण और उत्थान के क्षेत्र में काम कर रही इन संस्थाओं के इस रवैये को गंभीरता से लिया है। गौरतलब है कि ये संस्थाएं बच्चों की सेवा के नाम पर न केवल राज्य और केंद्र सरकार से, बल्कि विदेशी स्रोतों से भी भारी मात्रा में धन प्राप्त करती हैं।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी और शिकायतों के अनुसार, इन संस्थाओं द्वारा पंजीकरण के दौरान अपनी क्षमता, संसाधन, स्टाफ और बच्चों की जो संख्या दर्शाई जाती है, वास्तव में केंद्रों पर वह सब मौजूद नहीं होता है। कागजों पर दिखाए गए मानव संसाधन मौके पर गायब मिलते हैं। इस सूची में कई प्रतिष्ठित संस्थाओं के नाम भी शामिल हैं। जरूरत के समय इन संस्थाओं द्वारा दिव्यांग बच्चों को दाखिला देने से सीधे इनकार करने पर जिलाधिकारी का पारा चढ़ गया। उन्होंने तत्काल इस पूरे मामले की गहन जांच के लिए 10 बिंदुओं पर आधारित एक उच्च स्तरीय समिति गठित कर दी है। डीएम ने समिति को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित संस्थाओं का पंजीकरण तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही, जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी और जिला प्रोबेशन अधिकारी को भी कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि उनका काम केवल हस्ताक्षर और संस्तुति देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी शक्तियों को पहचानना होगा और मानव कल्याण के लिए कठोर कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि दिव्यांग और असहाय बच्चों का शोषण और उनके अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह भी ज्ञात हुआ है कि ये संस्थाएं दिव्यांग और असहाय लोगों के कल्याण, शिक्षा और उपचार के नाम पर राज्य और केंद्र सरकार के साथ-साथ विदेशी फंडिंग भी प्राप्त करती हैं। पंजीकरण के समय दस्तावेजों में जो संसाधन, चिकित्सक, शिक्षक, विशेषज्ञ, मानव श्रम और स्टाफ आदि दर्शाए जाते हैं, वे अक्सर मौके पर अनुपस्थित पाए जाते हैं, और बच्चों की बताई गई संख्या भी वास्तविकता से अलग होती है। जनपद देहरादून में समाज कल्याण के तहत दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत निम्नलिखित संस्थाओं की जांच की जाएगी=

1. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग, राजपुर रोड, 2. लतिका राय फाउंडेशन, बसंत विहार, 3. भरत मंदिर स्कूल सोसायटी, ऋषिकेश, 4. रैफल राइडर चौशायर इंटरनेशनल सेंटर, मोहनी रोड, 5. अरुणिमा प्रोजेक्ट विथ ऑटिज्म यूनिट ऑफ द गेटवे ग्राम, सिनोला, 6. यशोदा फाउंडेशन, डोईवाला, 7. एमडीआरएस, तपोवन, 8. मुंशीसभा सेवा सदन एवं पुनर्वास, हर्बटपुर, 9. दिव्य एजुकेशन सोसायटी, निम्बुवाला, 10. डिस्लेक्सिया सोसायटी ऑफ उत्तराखण्ड, राजपुर रोड, 11. सेतु संस्था, डालनवाला, 12. हरबर्टपुर क्रिश्चियन हॉस्पिटी सोसाइटी, हर्बर्टपुर, 13. चौशायर होम्स इंडिया, डालनवाला, 14. वसुन्धरा मानव कल्याण संस्था, देहरादून, 15. लर्निंग ट्री विशेष बच्चों का विद्यालय, धर्मपुर, 16. नन्ही दुनिया मूक बधिर विद्यालय, कालीदास रोड, 17. आशा स्कूल, गढ़ीकैंट, 18. आशोनिक वेलफेयर सोसायटी के अन्तर्गत सशक्त स्पेशल स्कूल, बालावाला देहरादून, 19. नन्दा देवी निर्धन दिव्यांग कल्याण एसोसिएशन, देहरादून। जिला प्रशासन के इस सख्त रवैये से उम्मीद है कि दिव्यांग और असहाय बच्चों के नाम पर चल रहे गोरखधंधे पर लगाम लगेगी और जरूरतमंदों को सही मायने में सहायता मिल सकेगी।

भाजपा लाख तिरंगा यात्रा निकाल ले पर ट्रंप की घोषणा पर जवाब देना पड़ेगा

सेना का इस्तेमाल वोट के लिए भाजपा की पुरानी प्रवृतिःसूर्यकांत धस्माना

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित तिरंगा यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कांग्रेस ने सेना का मनोबल बढ़ाने व उनके प्रति अपना पूर्ण समर्थन प्रदर्शित करने के लिए पूरे देश में तिरंगा यात्रा तब निकाली जब देश की सेना दुश्मनों से सीमा पार व सीमा पर लोहा ले रही थी और लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून समेत पूरे देश के अलग अलग हिस्सों में इस प्रकार की तिरंगा जय हिंद यात्रा निकाल कर अपना राष्ट्रीय कर्तव्य निभाया अब भाजपा वोट की खातिर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भुनाने के लिए कल से तिरंगा यात्रा निकाल रही है इस पर कांग्रेस को कोई ऐतराज नहीं है किन्तु कांग्रेस का यह कहना है कि तिरंगा यात्रा निकालने से पहले भारतीय जनता पार्टी को व देश के प्रधानमंत्री को देश की जनता के मन में जो सबसे बड़ा सवाल आज पैदा हो गया है उसका उत्तर देना चाहिए कि भारत की सुरक्षा आत्मरक्षा और संप्रभुता का निर्णय अमरीका को करने का अधिकार किसने दिया ? प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री धस्माना ने कहा कि जब से भारत पाकिस्तान के संक्षिप्त युद्ध के सीजफायर का ऐलान अमरीका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने किया और फिर लगातार वो भारत पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्ता और सोमवार को रात्रि आठ बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के के राष्ट्र के नाम संबोधन से पूर्व दुनिया के नाम अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन जिसमें वो स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि उन्होंने डांट डपट कर और धमका कर भारत पाकिस्तान का युद्धविराम करवाया इन तीनों वक्तव्यों पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को व भारतीय जनता पार्टी को देश की जनता को बताना होगा कि हमारे देश की रक्षा व्यापार और विदेश नीति को कौन चला रहा है भारत या अमरीकी राष्ट्रपति? श्री धस्माना ने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण व राष्ट्रीय सुरक्षा व राष्ट्र की अस्मिता व सम्मान से जुड़ा प्रश्न है जिसका जवाब हर हाल में देश जानना चाहता है। श्री धस्माना ने कहा कि वोट के लिए सेना का व शहीदों का इस्तेमाल करना मोदी जी व भाजपा की पुरानी प्रवृति है किन्तु इस बार जिन परिस्थितियों में सीजफायर की घोषणा हुई है और कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण हुआ है यह अकल्पनीय व अविश्वस्नीय है और क्या इसमें भारत के प्रधानमंत्री की सहमति है इसका स्पष्टीकरण भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को स्वयं आगे आ कर देना पड़ेगा।

बीना स्मृति सम्मान से सम्मानित हुए डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। बीना स्मृति फाउंडेशन चमोली द्वारा समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों के लिए बीना बिष्ट स्मृति सामान समारोह का आयोजन शहीद सैनिक अजय लाल राजकीय इण्टर कालेज थिरपाक (कर्णप्रयाग) में किया गया। शिक्षा के साथ विगत 35 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन, पौधारोपण, फूलों के गुलदस्ते के बजाय पौधे उपहार में देने, दूल्हा दुल्हन को शगुन में पौधा देकर रोपण करने, जन्मदिन पर पौधे लगाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तराखंड में वृक्षमित्र के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले पर्यावरणविद् डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी को बीना बिष्ट स्मृति सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। बीना बिष्ट 14 वर्ष की आयु में जंगलों में लगी आग बुझाते हुए आग की चपेट में आकर शहीद हो गई थी उसकी स्मृति में यह कार्यक्रम किए जाता हैं। कार्यक्रम में डॉ राजीव शर्मा, डॉ उमा शर्मा, लक्ष्मण सिंह नेगी, जितेंद्र कुमार, जगीं रडवाल, डॉ जगदीश कनवाल, मंगला कोठियाल, मनोज सती, अंजना देवी, लक्ष्मी रावत, लिमिता नेगी, ऊषा, लक्ष्मी रावत, प्रदीप गौड, नरेंद्र तोपाल शास्त्री, बंजीलाल शाह, टीका प्रसाद मौखुरी आदि उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर : बीजेपी शुरू करेगी बड़ा प्रचार अभियान, जनता तक सीधा संदेश पहुंचाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के आरोपों और सवालों का जवाब देने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है. पार्टी ने फैसला किया है कि वह सिलसिलेवार ढंग से देशवासियों को बताएगी कि भारत ने इस ऑपरेशन के जरिये क्या हासिल किया और यह देश की सुरक्षा के लिए कितना महत्वपूर्ण था. इसके लिए बीजेपी एक बड़े पैमाने पर प्रचार अभियान शुरू करने जा रही है, जिसमें राज्यों की राजधानियों से लेकर जिला, मंडल और बूथ स्तर तक जानकारी पहुंचाई जाएगी. इस अभियान के तहत बीजेपी यात्राएं भी निकालेगी ताकि जनता तक सीधे संदेश पहुंचाया जा सके.

इस अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर रविवार को एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए. इसके अलावा, बीजेपी के संगठन महासचिव बीएल संतोष, सह-संगठन महासचिव शिवप्रकाश और महासचिव तरुण चुघ भी इस बैठक में मौजूद थे.

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना की कार्रवाई और युद्ध विराम के बाद की स्थिति को जनता के बीच प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई. बीजेपी का मानना है कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस, इस मुद्दे पर भ्रामक प्रचार कर रहा है और सरकार के प्रयासों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है. इसलिए, पार्टी ने तय किया है कि वह सेना की उपलब्धियों और सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएगी. साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसपर संसद का विशेष सत्र भी बुलाने की मांग की है.

इसके बाद सोमवार को भी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मुद्दे पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों और मीडिया विभाग के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई. यह बैठक लगभग एक घंटे तक चली, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम के बाद के हालात पर जनता के सवालों का जवाब देने की रणनीति बनाई गई. बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि बीजेपी को विपक्ष के आरोपों का जवाब तथ्यों और आंकड़ों के साथ देना होगा. सूत्रों की मानें तो भारतीय सेना की बहादुरी और सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को आम लोगों तक पहुंचाने की योजना भी इस बैठक में बनाई गई.

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम को लेकर कई सवाल उठाए हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार से पूछा है कि क्या भारत को पाकिस्तान से आतंकवाद के ढांचे को खत्म करने का कोई ठोस आश्वासन मिला है. इसके अलावा, विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जरिये युद्ध विराम की घोषणा पर भी सवाल उठाए हैं. कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है ताकि इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सके. बीजेपी इन सवालों का जवाब इसलिए भी देना चाहती है ताकि इस मुद्दे पर विपक्ष उसे बैकफुट पर ना ला सके, जिस तरह से सीजफायर के बाद से ही कांग्रेस इंदिरा गांधी के कार्यकाल में लड़े गए 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की उपलब्धियां सोशल मीडिया और अपने बयानों में लगातार गिना रही है, उसे लेकर भाजपा इस मुद्दे पर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है और खुलकर खेलने की तैयारी में है.

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे विपक्ष के हर सवाल का तथ्यपरक जवाब दें और यह स्पष्ट करें कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत नीति का हिस्सा है. इसके तहत 7 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए. यह ऑपरेशन पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 नागरिकों की जान गई थी. इसके लिए भाजपा की तरफ से बनाया जा रहा प्रचार अभियान भी बहुआयामी होने की संभावना है. पार्टी ने तय किया है कि वह हर राज्य की राजधानी, जिला मुख्यालय, मंडल और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के जरिये ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और युद्ध विराम के महत्व को जनता तक पहुंचाएगी. इसके लिए विशेष यात्राएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें बीजेपी नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों को बताएंगे. साथ ही, सोशल मीडिया, प्रेस कॉन्फ्रेंस और जनसभाओं के जरिये भी यह संदेश प्रसारित किया जाएगा.

पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर ने 50 वर्षों से असंभव लगने वाली चीज को संभव कर दिखाया है. झेलम और चिनाब अब पूरी तरह भारत के नियंत्रण में हैं. यह युद्धविराम नहीं, बल्कि एक समझदारी है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय सेना की इस कार्रवाई ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा.

अश्विनी वैष्णव ने पीएम मोदी से की मुलाकात

इस रणनीति को और मजबूत करने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक घंटे की मुलाकात की. सूत्रों की मानें तो इस दौरान प्रचार अभियान के लिए मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर चर्चा हुई. सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने निर्देश दिए कि इस अभियान में भारतीय सेना की वीरता और सरकार की नीतियों को केंद्र में रखा जाए, ताकि जनता में देशभक्ति और एकजुटता का भाव और मजबूत हो.

बीजेपी का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत कार्रवाई का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक मंच पर भी भारत की ताकत को दर्शाता है. पार्टी इस ऑपरेशन को देश की जनता के सामने एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में पेश करना चाहती है. साथ ही, वह विपक्ष के उन नेताओं को जवाब देना चाहती है, जो पहले सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे अभियानों पर सवाल उठाते थे.

इस अभियान के तहत बीजेपी यह भी बताएगी कि कैसे भारत ने वैश्विक समुदाय को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी और पाकिस्तान के आतंकवादी ढांचे को बेनकाब किया. विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 13 देशों के राजदूतों को इस ऑपरेशन की जानकारी दी थी, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, न कि आम नागरिकों को.

विपक्षी पार्टियों को जवाब देकर संतुष्ट करेगी भाजपा

इस पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि ये समय सौहार्द का है और विपक्ष ने सरकार का साथ भी दिया है. मगर सीजफायर के बाद जो कुछ सवाल उठ रहे उसपर भाजपा कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को जवाब देकर संतुष्ट करेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर सरकार निर्णय लेगी. बीजेपी का यह प्रचार अभियान न केवल विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए है, बल्कि यह देशवासियों में आत्मविश्वास और गर्व की भावना को बढ़ाने का भी प्रयास है. ऑपरेशन सिंदूर को एक मील का पत्थर बताते हुए बीजेपी यह संदेश देना चाहती है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग है और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है. इसके पीछे पार्टी की मंशा ये भी है कि आने वाले दिनों में उनकी यह रणनीति देश की राजनीति और जनता के बीच चर्चा का केंद्र भी बन सके.

यूपी के हरदोई के रामगंगा नदी में सात लोग डूबे, चार को बचाया गया

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के अरवल थाना क्षेत्र में सोमवार को रामगंगा नदी में एक बड़ा हादसा हुआ। नदी पार फसल देखने गए एक ही परिवार के सात लोग नदी की तेज धारा में अचानक बह गए। स्थानीय लोगों की मदद से चार लोगों को बचा लिया गया, लेकिन तीन बच्चे अब भी लापता हैं।

दिवारी लाल और बलराम फेरे के परिवार रामगंगा नदी के पार अपने खेत में तरबूज और खरबूज की खेती करते हैं। हर दिन की तरह वह सोमवार को भी नाव के जरिए नदी पार कर खेत से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कुंडा नदी की तेज धारा में नाव असंतुलित हो गई और उसमें सवार सभी लोग नदी में गिर गए।

हादसे के बाद दिवारी लाल, सुमन, निर्मल और काजल को वहां मौजूद लोगों ने बाहर निकाल लिया। लेकिन, बलराम फेरे का 14 वर्षीय बेटा शिवम, आठ वर्षीय बेटी सुनैना और उसकी 13 वर्षीय भांजी सोनिका का कोई पता नहीं चला। इन तीनों के नदी में डूबने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों की मदद से बच्चों की तलाश की जा रही है। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद हैं और बचाव कार्य में सहयोग कर रहे हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया है। अब तक कोई शव बरामद नहीं हुआ है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजन बच्चों की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

मुंबई लोकल ट्रेन के फुटबोर्ड पर लटकीं दिखी महिलाएं, चिल्लाई- 'हाथ छूट रहा है

मुंबई ,(एजेंसी)। मुंबई की लाइफ लाइन' कही जाने वाली लोकल ट्रेन की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सोशल मीडिया पर एक बेहद disturæ÷bing वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ महिलाएं जान को खतरे में डालकर चलती ट्रेन के गेट और फुटबोर्ड से लटकी हुई नजर आ रही हैं। यह वीडियो मुंबई लोकल ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की भयावह स्थिति को दर्शाता है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ट्रेन के अंदर भारी भीड़ है और महिलाएं बाहर लटकी हुई हैं। कुछ महिलाएं मदद के लिए चीख-चिल्ला रही हैं। एक महिला को यह कहते सुना जा सकता है, "मेरा हाथ छूट रहा है, अंदर चलो।" लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा है कि अंदर जाना संभव नहीं दिख रहा। एक अन्य लड़की कैमरे से बचने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो कल्याण से चलने वाली लेडीज स्पेशल ट्रेन का है, जो उस दिन 40 मिनट की देरी से चल रही थी। ट्रेन लेट होने के कारण प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसके चलते ट्रेन आने पर यह जानलेवा धक्का-मुक्की और भीड़ देखने को मिली। इस भयावह वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग रेलवे प्रशासन और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल पूछ रहे हैं। यह स्थिति तब है जब मुंबई की लोकल ट्रेनों में भीड़ या गिरने से होने वाली मौतों का आंकड़ा काफी चिंताजनक रहा है।

सूचना आयोग के निर्णय का अनुपालन न करना ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं सचिवालय कृषि अनुभाग के अनुभाग अधिकारी को पड़ा भारी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । चना आयोग के निर्णय का अनुपालन नहीं किया ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं सचिवालय कृषि अनुभाग के अनुभाग अधिकारी को भारी पड़ा। आयोग ने सख्त रूख अपनाते हुए लोक सूचना अधिकारी के रूप में पंचायत अधिकारी पर 25 हजार एवं अनुभाग अधिकारी पर 10 हजार की शास्ति अधिरोपित करते हुए भविष्य में आयोग के निर्णय का समयबद्ध अनुपालन किये जाने की हिदायत दी। आयोग ने स्पष्ट किया कि आयोग के निर्णय का अनुपालन नहीं किया जाना आयोग की अवमानना है। सूचना अधिकार अधिनियम के अनुसार अपीलार्थी लोक सूचना अधिकारी द्वारा आयोग के निर्णय का अनुपालन नहीं किये जाने पर आयोग में शिकायत दर्ज कर सकता है।

राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने दो अलग-अलग शिकायतों की सुनवाई में द्वितीय अपीलों के निस्तारण में दिये गये निर्देशों का अनुपालन नहीं किये जाने को गंभीरता से लिया। ग्राम पंचायत विभाग की एक अपील में आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में श्री अमरदीप चौधरी, लोक सूचना अधिकारी/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर भैसवाला, विकास खण्ड भगवानपुर द्वारा प्रस्तुत लिखित अभिकथन दिनांक 08/05/2025 के माध्यम से अवगत कराया गया कि सूचना से सम्बन्धित सभी सूचनाएं अनुरोधकर्ता को प्रेषित की जा चुकी है। यदि अनुरोधकर्ता को ऐसा प्रतीत होता है कि पूर्ण सूचना प्राप्त नहीं हुई है तो आयोग के आदेश के अनुपालन में अनुरोधकर्ता को सूचना से सम्बन्धित पत्रावली का अवलोकन करा दिया जाएगा। अपील संख्या 39815 में आयोग द्वारा दिनांक 24.05.2024 को पारित आदेश के अंतर्गत लोक सूचना अधिकारी को आदेश प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर किसी भी कार्यदिवस में अपीलार्थी को आमंत्रित करते हुए अवलोकन कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। लोक सूचना अधिकारी द्वारा उक्त आदेशों का अनुपालन न करने को अत्यन्त आपत्तिजनक पाते हुए श्री अमरदीप चौधरी, लोक सूचना अधिकारी / ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सिकंदरपुर भैसवाल, विकास खण्ड भगवानपुर जिला हरिद्वार पर रू0 25,000/- (रूपये पच्चीस हजार) की शास्ति अधिरोपित करते हुए भविष्य में सूचना अधिकार अधिनियम के प्राविधानों के प्रति सजग रहते हुए सूचना अधिकार संबंधी प्रकरणों में इस तरह लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी गयी। सचिवालय कृषि अनुभाग से संबंधित एक अन्य अपील में आयोग द्वारा दिये गये निर्देश का अनुपालन समयान्तर्गत न करने पर श्री हरीश सिंह रावत, तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी वर्तमान पता- अनुभाग अधिकारी, सैनिक कल्याण अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून पररू0 10,000/- (रूपये दस हजार) की शास्ति अधिरोपित करते हुए भविष्य में सूचना अधिकार अधिनियम के प्राविधानों के प्रति सजग रहते हुए सूचना अधिकार संबंधी प्रकरणों में इस तरह लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी गयी।

अंतरराज्यीय ज्वैलरी चोरी गिरोह की वांछित महिला मुरादाबाद से गिरफ्तार

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा के निर्देश पर वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत भतरौजखान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अंतरराज्यीय ज्वैलरी चोरी गिरोह से जुड़ी वांछित महिला अभियुक्ता ममता को मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मामला 13 अक्टूबर 2023 का है, जब भतरौजखान निवासी राजेश चौधरी ने पुलिस को तहरीर दी थी कि 4 अक्टूबर 2023 को उनकी ज्वैलरी की दुकान से दो अज्ञात महिलाओं ने सोने के गहनों की चोरी कर ली है। इस संबंध में भतरौजखान थाने में मुकदमा अपराध संख्या 37/2023 धारा 380 भादवि के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में पुलिस पहले ही 27 नवंबर 2024 को दो महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। जबकि फरार चल रही अभियुक्ता ममता की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था। एसएसपी ने ममता की गिरफ्तारी पर नकद इनाम घोषित किया था। अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और रानीखेत के क्षेत्राधिकारी विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष भतरौजखान सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार सुराग जुटाए और अथक प्रयासों के बाद बुधवार 13 मई की सुबह ममता को मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला ममता, पत्नी धर्मेंद्र, निवासी ग्राम रूंध इकराम, थाना चिकसाना, भरतपुर (राजस्थान) की आपराधिक पृष्ठभूमि पहले से भी रही है। वह रेवाड़ी (हरियाणा), कुरुक्षेत्र और हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में ज्वैलरी शॉपों में चोरी के मामलों में जेल जा चुकी है। यहाँ पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक करतार सिंह, कांस्टेबल नीरज पाल, कांस्टेबल कमल भोज और महिला कांस्टेबल मंजू शामिल रहे।

थानाध्यक्ष भतरौजखान ने ग्राम प्रहरियों की मीटिंग लेकर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

अल्मोड़ा ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। आज दिनांक 13.05.2025 को थानाध्यक्ष भतरौजखान श्री सुशील कुमार द्वारा थाना परिसर में थाना क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों की मीटिंग ली गयी। मीटिंग में उपस्थित ग्राम प्रहिरियों को अपने-अपने गांवो में सतर्क दृष्टि रखते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियां व नशे की सामग्री बेचे जाने सम्बन्धी सूचनी पायी जाने पर उसकी सूचना तत्काल थाना में देने हेतु निर्देशित किया गया। सभी को सतर्क करते हुए गांव में रंजिश, आपसी विवाद, लड़ाई-झगड़े आदि व वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गाँव में किसी भी प्रकार की कोई सूचना होने पर सूचना तत्काल थाने के सूचित करने हेतु बताया गया।

इसके अतिरिक्त अपने-अपने क्षेत्र में निवासरत बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन कराने हेतु जागरुक करने के निर्देश दिये गये। साथ ही साइबर ठगी जैसे-डिजिटल अरेस्ट के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए अपने-अपने गांवों के वरिष्ठ नागरिकों को इसके बारे में जागरुक करने हेतु अवगत कराया गया।

भीड़ मे अपनी मां से बिछड़ी 04 वर्षीय नन्ही बालिका को लमगड़ा पुलिस ने मिलाया

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । दिनांक 12.05.2025 को डोल आश्रम, लमगड़ा में ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मी कानि0 भूपाल सिंह व म0कानि0 इन्द्रा को 04 वर्षीय एक नन्ही बालिका अपनी परिजनों से बिछड़ कर भटकती हुई मिली।

जिस पर पुलिस टीम द्वारा नन्ही बालिका से पूछताछ की गयी और आस-पास के लोगों से जानकारी जुटाकर उसके परिजनों के बारे में पता लगाया गया। तत्पश्चात् नन्ही बालिका को उसके परिजनों के सकुशल सुपुर्द किया गया। पुलिस की त्वरित कार्यवाही को परिजनों द्वारा सराहा गया।

सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल का 10वीं और 12वीं का सीबीएसई रिजल्ट शत प्रतिशत रहा

देहरादून/सेलाकु, इंडिया वार्ता ब्यूरो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित वर्ष 2024-25 की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के कक्षा बारहवीं और दसवीं के छात्रों ने लगातार शानदार अंकों के साथ व्यक्तिगत एवं संस्थागत रूप से अप्रतिम प्रदर्शन करके सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल ने स्वयं को देश के शीर्ष (सीबीएसई) सह-शैक्षिक आवासीय स्कूलों में श्रेष्ठता के शिखर पर स्थापित किया है।

कक्षा 12 ह्यूमैनिटीज वर्ग में छात्र सोमेश अगरवाल 98 प्रतिशत के साथ टॉपर रहे, साथ ही नूर आलम 97.2 प्रतिशत, रीत झोरार 96.5 प्रतिशत, संजना 94.7 प्रतिशत और अदिना और टी.हूकिप ने 94.2 प्रतिशत अंक अर्जित किए। साइंस वर्ग में कृष्णव अगरवाल 97.2 प्रतिशत के साथ टॉपर रहे। साथ ही राजवीर राय 94.2 प्रतिशत, कृष्णा अगरवाल, अतेनसेंगर और नवराज ने 90 प्रतिशत अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ायां

कॉमर्स वर्ग में हरिओम अग्रवाल 95.5 प्रतिशत के साथ टॉपर रहेंप् साथ ही नीव राठी 93.5 प्रतिशत, वैभव राणा 93.5 प्रतिशत, वेदान्त सवालिया 93.2 प्रतिशत, कृत अगरवाल 92.7 प्रतिशत और लक्ष्य कुमार ने भी 92.7 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। सीबीएसई 10वीं के परिणामों में दक्ष जैन 95.6 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय टॉपर रहे, साथ ही अन्विता गर्ग 94.6 प्रतिशत, दिव्यांशी मित्तल 92.6 प्रतिशत, अदिति 92.4 प्रतिशत, स्वरित कुमारी 92 प्रतिशत अंकों के साथ अत्यंत सराहनीय प्रदर्शन किया है।

सेलाकुई इंटरनेशनल विद्यालय के हेडमास्टर डॉ. दिलीप कुमार पांडा ने बताया कि विद्यालय के परीक्षा परिणामों का मुख्य आकर्षण सदैव से कक्षा दसवीं और बारहवीं के परिणामों का उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय प्रयास रहा है। पूरे बैच का प्रदर्शन वास्तव में पूरे स्कूल के सतत एवं समेकित प्रयास की अभिव्यक्ति है। छात्रों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी निजी रूप से विद्यालय की गौरवशाली परंपरागत उपलब्धि है। सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल सिद्धांतत: विद्यालय की उपलब्धि एवं छात्रों का निजी शैक्षिक प्रदर्शन केवल टॉपर्स तक ही सीमित न होकर पूरे बैच की सामूहिक एवं विद्यालय की संकुल शैक्षिक उपलब्धि के रूप में देखता है।

निकिता दत्ता का खुलासा, मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं

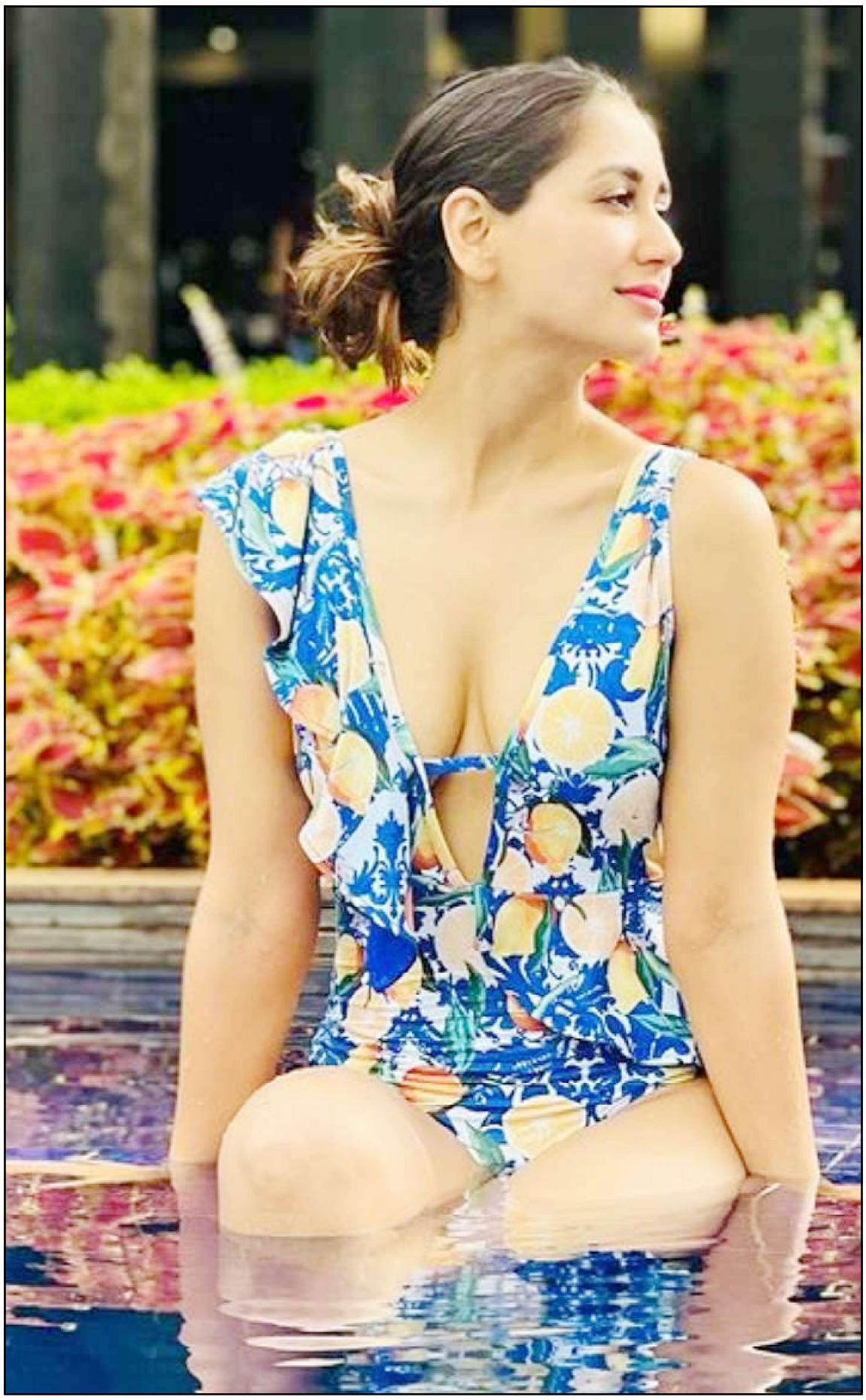

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों ज्वेल थीफ में अपने काम के लिए तारीफ बटोर रही हैं। इस फिल्म में वह जयदीप अहलावत और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका पालन-पोषण बहुत अनुशासन, तय नियमों और रोजमर्रा की तय दिनचर्या के साथ हुआ था।

निकिता दत्ता ने बताया कि उनका पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ जहां नियम और जिम्मेदारियां सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। इसी परवरिश ने मुझे अनुशासन और मेहनत करना सिखाया। उन्होंने साथ ही खुलासा किया कि वह एक्ट्रेस बनने से पहले यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है।

ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो ये बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां बहुत सारे नियम, दिनचर्या और बंदिशें थीं। हर काम नियम के अनुसार होता था। क्रिएटिव फील्ड में करियर चुनना, जहां हर दिन कुछ नया होता है.. मेरे लिए उस जीवनशैली से बिलकुल अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि उस अनुशासित परवरिश ने ही मुझे इस उथल-पुथल भरी इंडस्ट्री में फोकस्ड और मजबूत बनाए रखा है। भले ही फिल्म इंडस्ट्री चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन बचपन का अनुशासन और ठहराव मुझे हार न मानने की ताकत देता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी- द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में नजर आई।

कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूर भी थे। ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

देहरादून पुलिस का स्ट्रीट क्राइम पर करारा प्रहार: स्नैचर और चोर हवालात में, चोरी के वाहन बरामद

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। पटेलनगर क्षेत्र में हुई पर्स और मोबाइल छीनने की वारदातों और चोरी की घटनाओं पर देहरादून पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से इन घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि स्नैचिंग की घटना को अंजाम देने के लिए इन बदमाशों ने चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीने और चोरी किए गए पर्स, मोबाइल फोन के साथ-साथ चोरी के तीन दोपहिया वाहन भी बरामद किए हैं। कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने बताया कि 11 मई, 2025 को चन्द्र विहार कारगी चौक निवासी श्रीमती पूजा खुराना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह अपने बच्चे को स्कूल से लेने जा रही थीं, तभी पिंक सैलून कारगी चौक के पास मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने पीछे से आकर उनके हाथ से पर्स छीन लिया, जिसमें उनका मोबाइल फोन और कुछ नकदी थी। इसी दिन, अमन विहार 29 निरंजनपुर निवासी श्रीमती मकेश कौर ने भी शिकायत दर्ज कराई कि निरंजनपुर मंडी में सब्जी खरीदते समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका पर्स चोरी कर लिया, जिसमें एक आईफोन और नकदी थी। लगातार हो रही चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, एसएसपी देहरादून ने तत्काल घटनाओं का खुलासा करने और अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए कोतवाली पटेलनगर में अलग-अलग टीमों का गठन किया। इन टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की पहचान के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज का मिलान पहले चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं में जेल जा चुके अपराधियों से भी किया। साथ ही, मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए आरोपियों के बारे में सूचनाएं जुटाई गईं।

पुलिस टीम के त्वरित और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप, 12 मई, 2025 को पटेलनगर पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाम सिटी जाने वाले कच्चे रास्ते से पर्स स्नैचिंग की घटना में शामिल दो अभियुक्तों - अश्वनी पुत्र जय प्रकाश और आशीष सक्सैना पुत्र खुशालीराम - को धर दबोचा। इसके अलावा, लालपुल के पास से पर्स चोरी की घटना में शामिल तीसरे अभियुक्त विकास चौहान पुत्र विनोद चौहान को भी गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त नशे के आदी हैं और पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे अपने नशे की पूर्ति के लिए ही इन घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। अभियुक्त अश्वनी ने कबूल किया कि उसने अपने साथी आशीष के साथ मिलकर कारगी चौक के पास एक महिला से पर्स छीना था, जिसमें उन्हें एक मोबाइल और कुछ पैसे मिले थे, जिसे उन्होंने नशे में उड़ा दिया। जांच में यह भी पता चला कि अभियुक्तों ने स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने के लिए चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया था, जिसे अश्वनी ने नेहरू कॉलोनी क्षेत्र से चुराया था। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी के दो अन्य दोपहिया वाहन भी बरामद किए हैं, जिन्हें देहरादून के अलग-अलग स्थानों से चुराया गया था। पुलिस का मानना है कि अभियुक्त इन चोरी के वाहनों को दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने की फिराक में थे।

दाखिल खारिज की एवज में रिश्वत लेते अमीन गिरफ्तार

टिहरी, आजखबर। दाखिल खारिज में सही नाम चढ़ाने की एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेने वाले अमीन को सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे पूछताछ जारी है। शिकायतकर्ता द्वारा सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून, में एक शिकायती पत्र देकर बताया गया कि कि, उसकी पत्नी द्वारा 31 जनवरी 2025 को ग्राम छनाड़, थत्यूड जौनपुर जिला टिहरी गढवाल में लगभग 1500 वर्ग मी0, भूमि क्रय की गयी है, जिसकी दाखिल खारिज पत्रावली में तहसील नाजिर बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, द्वारा जानबूझकर गलत आपत्ति रिपोर्ट लगायी जा रही है, एवं सही रिपोर्ट एवं दाखिल खारिज में नाम चढाने के एवज में रिश्वत की माँग की जा रही हैं। शिकायत के आधार पर सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आज आरोपी बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, हाल नाजिर तहसील धनोल्टी, जनपद टिहरी गढवाल को शिकायतकर्ता से 15,000/-रूपये (पन्द्रह हजार रूपये) की रिश्वत लेते हुये, तहसील धनोल्टी स्थित आरोपी के कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के उपरान्त सतर्कता अधिष्ठान देहरादून की टीम द्वारा आरोपी के आवास की तलाशी व अन्य स्थानों पर चल-अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

गोल्डन कार्ड धारकों को मिलेगा योजना का समुचित लाभः डॉ. धन सिंह रावत

उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिये योजना के निर्बाध संचालन के निर्देश
कहा, हितधारकों से बातकर शासन को उपलब्ध करायें औचित्यपूर्ण प्रस्ताव

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों को गोल्डन कार्ड से उपचार में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को दुरूस्थ किया जायेगा। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को लाभार्थियों को समुचित व्यवस्था मुहैया कराने के लिये ठोस इंतजामों की व्यवस्था पर फोकस करने के निर्देश दिये गये हैं, साथ ही योजना के निर्बाध संचालन के लिये हितधारकों से बातकर ठोस प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत तकनीकी संवर्ग के रिक्त पदों को आई.पी.एच.एस. मानकों के अनुरूप सृजित कर शीघ्र ही भर्ती कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दीये गये।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में आज सचिवालय स्थित मुख्य सचिव सभागार में गोल्डन कार्ड योजना की समीक्षा की गई। जिसमें मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन सहित वित्त सचिव दिलीप जावलकर, स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार के साथ ही राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अध्यक्ष अरविंद सिंह ह्यांकी व एस.एच.ए. की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी उपास्थित रहे। राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (एस.जी.एच.एस.) की समीक्षा करते हुये डॉ. रावत ने अधिकारियों को गोल्डन कार्ड योजना के सभी लाभार्थियों को योजना का समुचित लाभ देने के निर्देश दिये। इसके लिये उन्होंने अधिकारियों को ठोस योजना तैयार करने को कहा ताकि गोल्डन कार्ड धारकों को योजना का अनवरत लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों के लिये बेहद महत्वपूर्ण है और प्रत्येक लाभार्थी को बेहतर से बेहतर लाभ देना हमारा दायित्व है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को हितधारकों से सुझाव लेकर औचित्यपूर्ण प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये ताकि इसे कैबिनेट बैठक में लाया जा सके।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत गोल्डन कार्ड धारकों की ओर से आने वाले अंशदान की अपेक्षा उपचार खर्च में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में गैप फंडिग के कारण योजना के संचालन में बाधाएं आ रही हैं। बैठक में बताया कि वर्ष 2024-25 में राजकीय व स्वायत कार्मिकों तथा पेंशनर्स की ओर से कुल 150 करोड़ रूपये का अंशदान जमा हुआ जबकि योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार पर रूपये 335 करोड़ का खर्च आया है। जिससे अस्पतालों का भुगतान न हो पाना योजना में बाधक है। योजना के सुचारू संचालन के लिये विभागीय अधिकारियों ने मास्टर पैकेज, अंशदान में बढ़ोतरी, अस्पतालों द्वारा अनुचित आर्थिक लाभ लिए जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश, सेवा प्रदाता को प्रोत्साहन, औषधि केंदों से दवा वितरण समेत कई सुझाव रखे, साथ ही शासन को पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के बारे में अवगत कराया।

बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा, राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के निदेशक वित्त अभिषेक आनंद, निदेशक प्रशासन डा विनोद टोलिया सहित स्वास्थ्य विभाग एंव एस.एच.ए के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग में तकनीकी संवर्ग के पदों पर हो शीघ्र भर्ती

सचिवालय स्थित मुख्य सचिव सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य विभाग में तकनीकी संवर्ग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेशभर के अधिकांश चिकित्सा इकाईयों में चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करा दिये हैं, ऐसे में उनके संचालन एवं रख-रखाव के लिये तकनीशियों तथा विभिन्न चिकित्सालयों की पैथोलॉजी एवं ब्लड बैंकों में लैब तकनीशियनों की नियुक्ति की जानी आवश्यक है। इसके लिये उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आईपीएचएस मानकों के अनुरूप प्रत्येक चिकित्सालयों में प्रमुख रूप से लैब तकनीशियन, ओटी तकनीशियन, डायलिसिस तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, एक्स-रे तकनीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट के पदों को शीघ्र सृजित कर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये।

हमारा अनवरत प्रयास

पानी से बुझे ऊर्जा की प्यास
ऊर्जा से बुझे पानी की प्यास

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने पन बिजली के उत्पादन, पारिस्थितिक संतुलन बनाये रखने में तथा राष्ट्र की समृद्धि में योगदान देने में बेजोड़ उत्कृष्टता का परिचय दिया है।

- बाढ़ नियंत्रण हेतु कदम उठाए गये।
- 5429 प्रभावित परिवारों (ग्रामीण क्षेत्र) का सफल पुनर्वास।
- शहरी जनसंख्या के 5291 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास हेतु संपूर्ण आधुनिक सुविधाओं युक्त नए टिहरी शहर का विकास।
- 52,204 हैक्टेयर क्षेत्र का कैट (CAT) प्लान के तहत समाधान।
- दिल्ली के लिए प्रतिदिन लगभग 40 लाख लोगों की जरूरत के लिए 182 मिलियन गैलन पीने का पानी।
- उ0प्र0 के शहरों एवं गांवों के लगभग 30 लाख लोगों की जरूरत के लिए प्रतिदिन 108 मिलियन गैलन पीने का पानी।
- 6.04 लाख हैक्टेयर मौजूदा सिंचाई का सुदृढ़ीकरण एवं 2.70 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई (अतिरिक्त)।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश-249201 (उत्तराखण्ड)
वेबसाइट: http://thdc.gov.in

मिनी रत्न सार्वजनिक उपक्रम

ओलंपस हाई के छात्रों ने सीबीएसई की 10वीं और 12वीं के बोर्ड परिणामों में दिखाया शानदार प्रदर्शन

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। ओलंपस हाई स्कूल में आज खुशी का माहौल रहा जब सीबीएसई कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित हुए। कक्षा 10 में आरोही गोयल ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके बाद चेतन सती ने 94.2 प्रतिशत और आराध्या रोहिल्ला ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा कई अन्य छात्रों ने भी 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इनमें अवंतिका सजवान (93.6 प्रतिशत), अर्नव सिंह रावत (93.4 प्रतिशत), शुभम महेश्वरी और आर्नवी (दोनों 93.2 प्रतिशत) शामिल हैं। कक्षा 12 में कॉमर्स स्ट्रीम में श्रद्धा मित्तल ने 90.2 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया, जबकि गरवित शर्मा ने 88.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में वेदांगी किमोठी ने 90.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्मिता सिंह ने 88.6 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। साइंस स्ट्रीम में आरोहन राजगोपाल ने 89.9 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया और प्राची साहू ने 88.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय ने इस वर्ष 100 प्रतिश परिणाम हासिल कर एक शानदार उपलब्धि दर्ज की, जिसमें कई छात्रों ने विभिन्न विषयों में विशिष्टता प्राप्त की। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. कुनाल शमशेर मल्ला, डायरेक्टर डॉ. अनुराधा मल्ला और प्रिंसिपल डॉ. ज्योति गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा
संपादकः संदीप शर्मा
सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास
संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी
अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की
अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की
ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

थलीसैण उप जिला चिकित्सालय के निर्माण को 214 करोड़ स्वीकृत

50 शैय्यायुक्त अस्पताल में मिलेगी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं
स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत बोले लोगों को नहीं काटने पड़ेंगे शहरों के चक्कर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । राज्य सरकार ने उप जिला चिकित्सालय थलीसैण में ढांचागत सुविधाओं के विकास एवं आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिये 214 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है। इससे दूरस्थ क्षेत्र की लगभग एक लाख की आबादी को उच्च स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा, साथ ही लोगों को हर बीमारी के उपचार के लिये हायर सेंटर का रूख नहीं करना पडेगा। पौड़ी जनपद के दूरस्थ क्षेत्र के थलीसैण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय का दर्जा देने के बाद अब राज्य सरकार ने इसके लिये 214.7 करोड़ की धनराशि मंजूर की है। जिससे 50 शैय्यायुक्त इस स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला अस्पताल के मानकों के अनुसार संसाधन सम्पन्न किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि से अस्पताल में ढांचागत सुविधाओं का विकास किया जायेगा, साथ ही नये व आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की भी खरीद की जायेगी। इसके अलावा बजट में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के लिये अस्पताल परिसर में आवासीय सुविधा

की भी व्यवस्था की गई है। जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सकेगा साथ ही वार्ड में भर्ती मरीजों के रूटीन स्वास्थ्य परीक्षण में आसानी होगी। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक उप जिला अस्पताल बनने से स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जिसमें बाल रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, फिजीशियन, सर्जन, महिला चिकित्साधिकारी, इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, पैथोलॉजिस्ट आदि शामिल है। जिससे थलीसैंण, वीरोंखाल, पोखड़ा व पाबौं के आंशिक क्षेत्र की तकरीबन एक लाख की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

थलीसैण उप जिला चिकित्सालय के लिये सरकार ने 214.7 करोड़ की धनराशि मंजूर कर दी है। जिससे अस्पताल में अवस्थापना कार्यों के साथ ही चिकित्सा सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जायेगा। जिसका लाभ थलीसैण सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की एक लाख से अधिक आबादी को मिलेगा।– डॉ. धन सिंह रावत, चिकित्सा स्वास्थ्य एंव चिकित्सा शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

उच्चीकृत स्वास्थ्य केन्द्रों में मिलेगी बेहतर सुविधाएं

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एंव विस्तारीकरण को लेकर लगातार प्रयासरत है। इसी के तहत सरकार ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा इकाईयों का अपग्रेडेशन कर उन्हें सुविधा सम्पन्न बना रही है ताकि स्थानीय स्तर पर आम लोगों को बेहतर उपचार सुलभ हो सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेशभर में 21 उप जिला चिकित्सालय स्थापित हैं। इसके अलावा 6 चिकित्सा इकाईयों को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत किया गया है। जिसमें गैरसैण, खानपुर, पुरोला, थलीसैण, डोईवाला और भटवाड़ी शामिल है। इसके साथ ही सीएचसी भगवानपुर, चिन्यालीसौड़, हिण्डोलाखाल और पीएचसी–ए गुप्तकाशी का भी उच्चीकरण प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों के उच्चीकरण से आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री धामी ने CBSE परीक्षा में सफल छात्रों को दी हार्दिक बधाई, असफल छात्रों को दिया प्रेरणादायक संदेश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित कक्षा 12वीं और 10वीं के परीक्षा परिणामों में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इन परिणामों को विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, उनकी लगन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने संदेश में कहा, यह सफलता हमारे युवा साथियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। ये छात्र-छात्राएं हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपने जीवन में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने उन विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित किया जिनका परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने कहा, जिन विद्यार्थियों को अपनी अपेक्षा के अनुसार परिणाम नहीं मिला, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं है। यह एक अवसर है स्वयं को और बेहतर बनाने का, आत्ममंथन करने का और नए सिरे से आगे बढ़ने का। असफलता भी सफलता की राह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य को संवारने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

हाउस ऑफ हिमालयाज के निदेशक मंडल की बैठक आयोजित

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में हाउस ऑफ हिमालयाज के निदेशक मंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने हाउस ऑफ हिमालयाज को एक बड़े ब्राण्ड के रूप में विकसित किए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज की पहचान को बनाए रखने के लिए इसके उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए प्रत्येक उत्पाद के लिए गुणवत्ता का मानक निर्धारित किया जाए। उन्होंने कहा कि जीआई टैगिंग से होने वाले लाभ को बढ़ाए जाने के लिए इसके उत्पादों की गुणवत्ता के साथ ही पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने इसके लिए कृषि सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज को पहचान दिलाने के लिए इसकी ब्राण्डिग और मार्केटिंग पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स और अपनी वेबसाईट के माध्यम से बेचे जाने के साथ ही अन्य राज्यों में आउटलेट्स बढ़ाए जाएं। साथ ही, हथकरघा एवं हस्तशिल्प में लगातार नए उत्पादों को शामिल किया जाए। सचिव राधिका झा ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए उच्च प्रीमियम प्रदान करके पहाड़ी क्षेत्रों में खेती को लाभप्रद बनाना है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र से कृषि और उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देते हुए राज्य के प्रामाणिक और प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पादों से उत्तराखण्ड किसानों को लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विभिन्न ई-कॉमर्स साईट्स के साथ ही राज्य एवं राज्य के बाहर आउटलेट्स बनाए गए हैं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव सचिन कुर्वे, प्रबंध निदेशक हाउस ऑफ हिमालयाज मनुज गोयल सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

मां की साड़ी को फंदा बनाकर युवक ने लगाई फांसी

बागेश्वर, इंडिया वार्ता ब्यूरो। जिले के कौसानी के ग्राम पंचायत तल्ली नाकुरी पुनियामाफी में 20 वर्षीय युवक ने मां की साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कमरे में सुसाइड नोट मिला जिसमें पारिवारिक कारणों के चलते खुदकुशी की बात लिखी गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को लेकर पीएम की कार्यवाही के लिए भेज दिया है। कौसानी थाने के एएसआई प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि दीपक पंचपाल (20) पुत्र रुद्र सिंह पंचपाल ने घर में मां की साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और दीपक की चारपाई के पास एक सुसाइड नोट मिला जिसमें उसने पारिवारिक कारणों से आत्महत्या की बात लिखी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।